RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

हरियाणा बैच

HISTORY

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

Part -3

LIVE 06-06-2024 09:00 AM

⇒ रामगढ़ अधिवेशन :- 1940 : अध्यक्ष :- अबुल कलाम आजाद
↳ महाराष्ट्र

⇒ (1940-1945) :- अबुल कलाम आजाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सर्वाधिक समयतक अध्यक्ष रहे थे

⇒ मेरठ अधिवेशन :- 1946 :- अध्यक्ष :- आचार्य जे॰बी॰ कृपलानी

⇒ स्वतंत्रता के समय (15 अगस्त 1947 ई॰) जे॰बी॰ कृपलानी I.N.C पार्टी के अध्यक्ष थे।

⇒ <u>जयपुर अधिवेशन</u> :- 1948 :- अध्यक्ष :- पट्टाभि सीतारमैय्या

⇒ स्वतंत्रता के बाद प्रथम अधिवेशन हुआ। अधिवेशन की कार्यवाही वन्देमातरम् व राष्ट्र गान के बाद प्रा० हुई।

⇒ सबसे अधिक बार I.N.C पार्टी का आयोजन कोलकाता में 10 बार तथा मुम्बई व मद्रास में 7 बार आयोजन हुआ था।

कांग्रेस के सम्बध में वक्तव्य :-

⇒ कांग्रेस का सम्मेलन तीन दिनो का तमाशा है – अश्विनी कुमार दत्त

⇒ कांग्रेस लार्ड डफरीन के दिमाग की उपज है → लाला लाजपत राय

⇒ कांग्रेस के लोग पदो के भूखे हैं - बंकिमचन्द्र चटर्जी

⇒ कांग्रेस संभ्रांत लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन है → डफरीन

⇒ यदि वर्ष में एक बार मेंढ़क की तरह टर्रायेंगे, तो कुछ नहीं मिलेगा :- बाल गंगाधर तिलक

⇒ कांग्रेस एक प्रकार की याचना करने वाली संस्था है – विपिनचन्द्र पॉल

विशेष :- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद महात्मा गांधी ने I.N.C पार्टी को समाप्त करने का सुझाव दिया।

बंगाल विभाजन (1905)

⇒ विभाजन का निर्णय :- 20 July 1905

⇒ विभाजन का विरोध :- 7 अगस्त 1905

⇒ विभाजन प्रभावी :- 16 oct 1905

⇒ विभाजन रद्द :- 1911 (लॉर्ड हॉर्डिंग के समय)

⇒ गवर्नर जनरल :- लार्ड कर्जन → बढ़ते राष्ट्रवाद के कारण बंगाल प्रांत को साम्प्रदायिक आधार पर

⇒ विभाजन से पूर्व बंगाल में पश्चिमी बंगाल, बांग्लादेश, बिहार और ओडिशा के क्षेत्र शामिल थे।

⇒ जिसका क्षेत्रफल :- 189000 वर्ग km जनसंख्या → 8 करोड़

⇒ विभाजन लागू :- 16 oct 1905 ई० को → बंगाल में शोक दिवस

⇒ रवीन्द्रनाथ टैगोर के आह्वान पर इसे रक्षा बंधन दिवस के तौर पर मनाया गया।

⇒ बंगाल विभाजन के अवसर पर ही रवीन्द्र नाथ टैगोर ने अपना प्रसिद्ध गीत 'आमार-सोनार बांग्ला' लिखा था।

⇒ बंगाल विभाजन के समय, बंगाल का लेफ्टिनेंट गवर्नर सर एन्ड्रूज फ्रेजर था।

⇒ बंगाल विभाजन का मुख्य उद्देश्य :- बंगाली राष्ट्रवाद को दुर्बल करना।

⇒ बंगाल में ब्रिटेन की वस्तुओ के बहिष्कार का सुझाव सर्वप्रथम कृष्णा कुमार मित्र ने दिया था।

⇒ बंगाल का विभाजन एक बेहद निर्मम भूल है – गोपाल कृष्णा गोखले।

⇒ यह विभाजन हमारे ऊपर एक वज्र की तरह गिरा है – सुरेन्द्र नाथ बनर्जी

⇒ भारत का वास्तविक जागरण, बंगाल विभाजन के बाद प्रा० हुआ है – महात्मा गांधी

⇒ स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन :